

वार्षिक पाठ्यक्रम

सत्र 2025 -2026

कक्षा - 11

विषय भूगोल (029)

पाठ्यक्रम सामग्री

भाग- अ	पाठ्य पुस्तक-1 भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत
ईकाई 1 भूगोल एक विषय के रूप में	<p>अध्याय-1 भूगोल एक विषय के रूप में</p> <ul style="list-style-type: none">● एक विषय के रूप में भूगोल का परिचय● भूगोल एक समाकलन विषय के रूप में- क्षेत्रीय संश्लेषण और कालिक संश्लेषण● भूगोल के अध्ययन के उपागम: क्रमबद्ध और प्रादेशिक उपागम● भूगोल की शाखाएँ; भौतिक भूगोल, मानव भूगोल और जीव भूगोल <p>भौतिक भूगोल एवं इसका महत्व</p>
इकाई-2 पृथ्वी	<p>अध्याय 2 पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास</p> <ul style="list-style-type: none">● पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास● पृथ्वी की उत्पत्ति के आरंभिक सिद्धांत● ब्रह्मान्ड की उत्पत्ति के आधुनिक सिद्धांत● तारों का निर्माण● पृथ्वी का उदभव: स्थलमंडल, वायुमंडल, जलमंडल का विकास● जीवन की उत्पत्ति <p>अध्याय 3 पृथ्वी की आंतरिक संरचना</p> <ul style="list-style-type: none">● भूगर्भ की जानकारी के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष स्रोत● भूकंप: भूकंप तरंगें, भूकंप छाया क्षेत्र, भूकंप के प्रकार भूकंप की तीव्रता का मापन, प्रभाव, भूकंप की आवृत्ति● पृथ्वी की आंतरिक संरचना● ज्वालामुखी व ज्वालामुखी निर्मित स्थलरूप <p>अध्याय 4 महासागरो और महाद्वीपों का वितरण</p> <ul style="list-style-type: none">● महाद्वीपय प्रवाह सिद्धांत, और महाद्वीपय प्रवाह सिद्धांत के पक्ष में प्रमाण और प्रवाह संबंधी बल● महासागरीय अधस्तल की बनावट● भूकंप और ज्वालामुखियों का वितरण● सागरीय अधस्तल का विस्तार● प्लेट विवर्तनिकी: प्लेट संचरण की सीमाएँ, प्लेट प्रवाह की दरें और प्रवाह को संचलित करने वाले बल● भारतीय प्लेट का संचलन

<p>इकाई-3 भू-आकृतियाँ</p>	<p>अध्याय 5 भू- आकृतिक प्रक्रियाएँ</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ: अंतर्जनित प्रक्रियाएँ और बहिर्जनिक प्रक्रियाएँ ● अंतर्जनिक प्रक्रियाएँ: पटल विरूपण, ज्वालामुखीयता ● बहिर्जनिक प्रक्रियाएँ: अपक्षय, भूस्खलन ● मृदा: मृदा निर्माण की प्रक्रिया व मृदा निर्माण के कारक <p>अध्याय 6 भू- आकृतियाँ तथा उनका विकास</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रवाहित जल; अपरदित और निक्षेपित स्थल रूप ● पवनै: अपरदित और निक्षेपित स्थल रूप
<p>इकाई-4 जलवायु</p>	<p>अध्याय 7 वायुमंडल का संघटन तथा संरचना</p> <ul style="list-style-type: none"> ● वायुमंडल:- संघटन, संरचना और मौसम और जलवायु के तत्व
<p>मानचित्र कार्य (केवल प्रथम सत्रीय परीक्षा के लिए)</p>	<p>संसार के राजनैतिक रेखा मानचित्र में दिए गये भौगोलिक लक्षणों की पहचान कर उनके नाम अंकित करना (संसार का राजनैतिक मानचित्र जो भारत सरकार की वेब साईट पर उपलब्ध है वही प्रयोग करना चाहिए)</p> <p>अध्याय 4 महासागरों और महाद्वीपों का वितरण</p> <ul style="list-style-type: none"> ● संसार के सभी महाद्वीपों का राजनैतिक मानचित्र ● संसार के मुख्य महासागर; हिन्द महासागर, प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर, आर्कटिक महासागर, दक्षिणी महासागर ● मुख्य बड़ी स्थलमंडलीय प्लेटें, प्रमुख छोटी स्थलमंडलीय प्लेटें ● अग्नि वलय (रिंग आफ फायर) प्रशांत महासागर, मध्य अटलांटिक कटक
<p>भाग- ब</p>	<p>भारत - भौतिक पर्यावरण</p>
<p>इकाई-1 प्रस्तावना</p>	<p>अध्याय 1 भारत स्थिति</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भारत:- स्थिति, आकार, अक्षांशीय और देशांतरीय विस्तार, मानक याम्योत्तर (मध्याह्न) रेखा, भारत और उसके पड़ोसी देश ।
<p>इकाई-2 भू-आकृति विज्ञान</p>	<p>अध्याय 2 संरचना तथा भू-आकृति विज्ञान</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भू-आकृतिक खंड:- (1) उत्तर तथा उत्तरी- पूर्वी पर्वतमाला (2) उत्तरी भारत का मैदान (3) प्रायद्वीपीय पठार (4) भारतीय मरुस्थल (5) तटीय मैदान (6) द्वीप समूह <p>अध्याय 3 अपवाह तंत्र</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अपवाह प्रतिरूप ● नदी द्रोणी की अवधारणा: जल ग्रहण क्षेत्र, जल संभर, ● अपवाह और भारतीय अपवाह तंत्र : हिमालयी नदी तंत्र और प्रायद्वीपीय नदी तंत्र ● नदी जल उपयोग की सीमा, नदियों की द्रोणियों को जोड़ना, नदी जल उपयोग की समस्याएँ, जल प्रदूषण

<p>मानचित्र कार्य (केवल प्रथम सत्र परीक्षा के लिए निर्धारित मर्दे)</p>	<p>भारत के राजनैतिक रेखामानचित्र में दिए गए भौगोलिक लक्षणों को पहचान करने और उनको मानचित्र पर अंकित करने के लिए मानचित्र कार्य. (संसार का राजनैतिक मानचित्र जो भारत सरकार की वेब साईट पर उपलब्ध है वही प्रयोग करना चाहिए)</p> <p>भारत- भौतिक पर्यावरण</p> <p>अध्याय 1 - भारत- स्थिति</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भारत की अक्षांशीय सीमा ● भारत की देशांतरीय सीमा ● भारत की मानक मध्याह्न रेखा ● भारत से गुजरने वाला महत्वपूर्ण अक्षांश (कर्क रेखा) ● भारत की मुख्य भूमि का दक्षिणी सबसे बिंदु (कन्या कुमारी) <p>अध्याय 2- संरचना और भूआकृति</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पर्वत: काराकोरम पर्वत, गारो-खासी-जयंतिया पहाड़ियाँ, अरावली पर्वत, विंध्यचल पर्वत, सतपुड़ा पर्वत, पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट ● प्रमुख चोटियाँ: K2, कंचनजंगा, नंदादेवी, नंगा पर्वत, नामचा बरवा और अनाइमुदी ● प्रमुख दर्रे : शिपकिला, नाथुला, पालघाट, भोर घाट और थल घाट – ● प्रमुख पठार:- मालवा, छोटनागपुर, मेघालय और दक्कन पठार। ● प्रमुख तटीय मैदान: सौराष्ट्र, कोंकण, उत्तर और दक्षिण कन्नड़, मालाबार, कोरोमंडल और उत्तरी सरकार ● द्वीप समूह: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह <p>अध्याय -3 अपवाह तंत्र</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रमुख नदियाँ : ब्रह्मपुत्र, सिंधु, सतलुज, गंगा, यमुना, चंबल, दामोदर महानदी, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, नर्मदा, ताप्ती और लूनी ● प्रमुख झीलें: (पहचान के लिये) वुलर, सांभर, चिल्का, कोलेरू, पुलिकट और वेम्बनाड ● जलडमरूमध्य, खाड़ी: पाक जलडमरूमध्य, कच्छ का रण, कच्छ की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और खंबात की खाड़ी
<p>भाग- स</p>	<p>पाठ्य पुस्तक - प्रयोगात्मक कार्य भाग 1</p>
	<p>अध्याय 1 मानचित्र का परिचय</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मानचित्र बनाने की अनिवार्यताएँ ● मानचित्रण का इतिहास ● मानचित्रों के प्रकार ● मानचित्रों के उपयोग <p>अध्याय 2 मानचित्र मापनी</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मापनी:- मापनी बनाने की विधियाँ और प्रकार ● मापनी का रूपांतरण <p>अध्याय 3 अक्षांश, देशांतर और समय</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अक्षांश और देशांतर समान्तर बनाना, देशांतरीय याम्योत्तर बनाना ● देशांतर और समय ● अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा <p>आंतरिक मूल्यांकन/भूगोल प्रायोगिक के लिए दिशानिर्देश</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. छात्रों द्वारा एक प्रायोगिक फाइल तैयार की जानी चाहिए। जिसमें प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी अध्यायों का समावेश हो। 2. प्रयोगात्मक फाइल कवर पेज, इन्डेक्स पेज, आभार पत्र के साथ पूर्णतः हस्तलिखित होनी चाहिए।

	<ol style="list-style-type: none"> 3. सभी प्रयोगात्मक कार्य को उपयुक्त शीर्षकों स्केल , इन्डक्स आदि के साथ साफ सुथरा बनाना चाहिए। आंकडे एन सी इ आर टी की पाठ्य पुस्तक से लिया जा सकता है। 4. प्रयोगात्मक फाइल का मूल्यांकन आवधिक और वार्षिक प्रयोगात्मक परीक्षा के समय किया जाएगा 5. प्रैक्टिकल परीक्षा 25 अंक की होगी जो निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर आयोजित की जाएगी। 6. मौखिक(वाइवा) परीक्षा केवल निर्धारित प्रायोगिक पाठ्यक्रम के आधार पर ही किया जाएगा। 7. लिखित परीक्षा - 25 अंक 8. प्रैक्टिकल फाइल – 03अंक 9. मौखिक परीक्षा - 02 अंक
--	--

मध्य आवधिक परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम दिनांक 06/09/2025 तक पूर्ण करना होगा।

मध्य आवधिक परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम का रिविजन और परीक्षा की तैयारी।

मध्य आवधिक परीक्षा 2025

मध्य आवधिक परीक्षा में आए प्रश्न पत्र पर चर्चा

भाग- अ	पाठ्य पुस्तक-1 भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत
इकाई-4 जलवायु	<p>अध्याय 8- सौर विकिरण, ऊष्मा संतुलन एवं तापमान</p> <ul style="list-style-type: none"> ● सूर्यातप में भिन्नता ● वायुमंडल का गर्म और ठंडा होना ● पार्थिव विकिरण ● पृथ्वी का ऊष्मा बजट ● तापमान, तापमान को प्रभावित करने वाले कारक, तापमान का वितरण, क्षैतिज एवं ऊर्ध्वाधर, तापमान का व्युत्क्रमण <p>अध्याय 9 वायुमंडलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियां</p> <ul style="list-style-type: none"> ● वायुमंडलीय दाब: वायुदाब में ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज भिन्नता ● पवनों की दिशा और वेग को प्रभावित करने वाले कारक ● वायुमंडल का सामान्य परिसंचरण: वायुदाब की पेटियाँ, पवनें, स्थायी, मौसमी और स्थानीय पवनें, वायु राशियाँ और वाताग्र, उष्ण कटिबंधीय और बहिरुष्ण कटिबंधीय चक्रवात, तडितझंझा व टोरनेडों <p>अध्याय 10 वायुमंडल में जल</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आर्द्रता- निरपेक्ष आर्द्रता, सापेक्ष आर्द्रता ● वाष्पीकरण और संघनन ● संघनन के विभिन्न रूप;- ओस, तुषार, कोहरा एवं कुहासा, और बादल ● वर्षण ● वर्षा के प्रकार और संसार में वर्षा का वितरण <p>अध्याय 11 विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन (इस अध्याय का मूल्यांकन परियोजना और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आंतरिक मूल्यांकन में किया जाएगा)</p>
इकाई-5 जल(महासागर)	<p>अध्याय 12 जल(महासागर)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● जलीय चक्र ● महासागरीय अधस्तल की बड़ी और लघु आकृतियाँ

	<ul style="list-style-type: none"> महासागरीय जल का तापमान और लवणता:- तापमान के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक, तापमान का ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज वितरण और लवणता, लवणता को प्रभावित करने वाले कारक और वितरण <p>अध्याय 13 महासागरीय जल का संचलन</p> <ul style="list-style-type: none"> महासागरीय जल का संचलन- तरंगे, ज्वारभाटा और धाराएँ
इकाई-6 पृथ्वी पर जीवन	अध्याय 14 जैव विविधता एवं संरक्षण (इस अध्याय का मूल्यांकन परियोजना और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आंतरिक मूल्यांकन में किया जाएगा)
भाग-(ब)	भारत - भौतिक पर्यावरण
इकाई-3 जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, मृदा	अध्याय-4 जलवायु <ul style="list-style-type: none"> मौसम और जलवायु मानसूनी जलवायु में एकता और विविधता भारत की जलवायु को नियन्त्रित करने वाले कारक भारतीय मानसून की प्रकृति एवं विशेषताएँ ऋतुओं की लय वर्षा का वितरण मानसून और भारत में आर्थिक जीवन भूमंडलीय तपन <p>अध्याय 5 प्राकृतिक वनस्पति</p> <ul style="list-style-type: none"> प्राकृतिक वनस्पति- परिचय वनों के प्रकार और वितरण वनो का संरक्षण वन्य प्राणी : संरक्षण, जीव मंडल निचय
इकाई-4 प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ; कारण परिणाम तथा प्रबंध	अध्याय 6 प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ (इस अध्याय का मूल्यांकन परियोजना और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आंतरिक मूल्यांकन में किया जाएगा)
भाग(स)	पाठ्य पुस्तक 3 - भूगोल में प्रयोगिक कार्य भाग 1 अध्याय 1 मानचित्र का परिचय <ul style="list-style-type: none"> मानचित्र बनाने की अनिवार्यताएँ मानचित्रण का इतिहास मानचित्रों के प्रकार मानचित्रों के उपयोग <p>अध्याय 2 मानचित्र मापनी</p> <ul style="list-style-type: none"> मापनी:- मापनी बनाने की विधियाँ और प्रकार मापनी का रूपांतरण <p>अध्याय 3 अक्षांश, देशांतर और समय</p> <ul style="list-style-type: none"> अक्षांश और देशांतर समान्तर बनाना, देशांतरीय याम्योत्तर बनाना

	<ul style="list-style-type: none"> • देशांतर और समय • अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा <p>अध्याय 4 मानचित्र प्रक्षेप</p> <ul style="list-style-type: none"> • मानचित्र प्रक्षेप - प्रकार, रचना और गुण: एक मानक अक्षांश वाला शंकु प्रक्षेप और मर्केटर प्रक्षेप(केवल दो प्रक्षेप) <p>अध्याय 5 स्थलाकृतिक मानचित्र</p> <ul style="list-style-type: none"> • स्थलाकृतिक मानचित्रों का अध्ययन(1:50000 और 1:25000 के भारत के सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र) समोच्च रेखाओं एवं उनके अनुप्रस्थ परिच्छेद खींचना और स्थलाकृतियों की पहचान- ढाल, पहाड़ी, घाटी जल प्रपात भूगु, बस्तियों का वितरण <p>अध्याय 6 सूदूर संवेदन का परिचय</p> <ul style="list-style-type: none"> • उपग्रह प्रतिबिम्ब,सूदूर संवेदन की अवस्थाएँ,आंकडा अधिग्रहण, प्लेटफार्म और सेंसर, आंकडा उत्पाद(फोटोग्राफिक और अंकीय प्रतिबिम्ब) <p>आंतरिक मूल्यांकन/भूगोल प्रायोगिक के लिए दिशानिर्देश</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. छात्रों द्वारा एक प्रायोगिक फाइल तैयार की जानी चाहिए। जिसमें प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी अध्यायों का समावेश हो। 2. प्रयोगात्मक फाइल कवर पेज,इन्डेक्स पेज, आभार पत्र के साथ पूर्णतः हस्तलिखित होनी चाहिए। 3. सभी प्रयोगात्मक कार्य को उपयुक्त शीर्षकों स्केल, इन्डक्स आदि के साथ साफ सुथरा बनाना चाहिए। आंकडे एन सी इ आर टी की पाठ्य पुस्तक से लिया जा सकता है। 4. प्रयोगात्मक फाइल का मूल्यांकन आवधिक और वार्षिक प्रयोगात्मक परीक्षा के समय किया जाएगा 5. प्रैक्टिकल परीक्षा 25 अंक की होगी जो निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर आयोजित की जाएगी। 6. मौखिक(वाइवा) परीक्षा केवल निर्धारित प्रायोगिक पाठ्यक्रम के आधार पर ही किया जाएगा। 7. लिखित परीक्षा - 25 अंक 8. प्रैक्टिकल फाइल - 03अंक 9. मौखिक परीक्षा - 02अंक
<p>मानचित्र कार्य वार्षिक परीक्षा के लिए</p>	<p>संसार के भौतिक/राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर अध्याय 4, 9, 12, 13 और 14 में निर्धारित मदों की पहचान पर आधारित मानचित्र कार्य। मानचित्र मदों की सूची सीबीएसई द्वारा प्रदान की गई है। इसके लिए सीबीएसई 2025-26 द्वारा जारी पाठ्यक्रम देखें। (मानचित्र भारत सरकार की आफिसियल वेबसाइट से लेकर ही प्रयोग करना चाहिए)</p> <p>भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत:</p> <p>अध्याय 4- महासागरों और महाद्वीपों का वितरण।</p> <ul style="list-style-type: none"> • संसार के सभी महाद्वीपों का राजनीतिक मानचित्र। • दुनिया के प्रमुख महासागर: हिंद महासागर, प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर, आर्कटिक महासागर, दक्षिणी महासागर • प्रमुख प्लेटें और लघु प्लेटें, रिंग ऑफ फायर (प्रशांत महासागर), मध्य-अटलांटिक रिज। <p>अध्याय 9 - वायुमंडलीय परिसंचरण और मौसम प्रणाली</p> <p>दुनिया के प्रमुख गर्म रेगिस्तान:</p> <ul style="list-style-type: none"> • मोजावे मरुस्थल - नेवादा, संयुक्त राज्य अमेरिका • पेटागोनियन मरुस्थल - अर्जेंटीना • सहारा - अफ्रीका • गोबी मरुस्थल - मंगोलिया, एशिया

	<ul style="list-style-type: none"> ● थार मरूस्थल - भारत ● ग्रेट विक्टोरिया मरूस्थल - ऑस्ट्रेलिया <p>अध्याय 12- जल (महासागर) प्रमुख सागर :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● काला सागर ● बाल्टिक सागर ● कैस्पियन सागर , ● भूमध्य सागर ● उत्तरी सागर ● लाल सागर ● फंडी की खाड़ी (कनाडा) - दुनिया में उच्चतम ज्वार के लिए प्रसिद्ध <p>अध्याय 13- महासागरीय जल का संचरण महासागर धाराएँ- ठंडी धाराएँ :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● हम्बोल्ट जलधारा ● कैलिफोर्निया जलधारा ● फाकलॉड जलधारा ● कनारी जलधारा ● पश्चिम ऑस्ट्रेलियाई जलधारा ● ओयासियो जलधारा ● लैब्राडोर जल धारा <p>गर्म धाराएँ :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अलास्का जलधारा ● ब्राजीलियन जलधारा ● अगुल्हास जल धारा ● क्युरोशियो जलधारा ● गल्फ स्ट्रीम जलधारा <p>अध्याय 14 - जैव विविधता और संरक्षण पारिस्थितिक हॉटस्पॉट :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पूर्वी हिमालय - भारत ● पश्चिमी घाट - भारत ● इंडोनेशिया - एशिया ● पूर्वी मेडागास्कर - अफ्रीका ● उपरी गिनी वन - अफ्रीका ● अटलांटिक वन - ब्राजील ● उष्णकटिबंधीय एंडीज
<p>मानचित्र कार्य वार्षिक परीक्षा के लिए</p>	<p>भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निर्धारित मर्दों की पहचान पर आधारित मानचित्र कार्य। मानचित्र मर्दों की सूची सीबीएसई द्वारा प्रदान की गई है। इसके लिए सीबीएसई 2025-26 द्वारा जारी पाठ्यक्रम देखें। : (मानचित्र भारत सरकार की आफिसियल वेबसाईट से लेकर ही प्रयोग करना चाहिए)</p> <p>भारत- भौतिक पर्यावरण अध्याय 1 - भारत- स्थिति</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भारत की अक्षांशीय सीमा ● भारत की देशांतरीय सीमा ● भारत की मानक मध्याह्न रेखा

- भारत से गुजरने वाला महत्वपूर्ण अक्षांश (कर्क रेखा)
- भारत की मुख्य भूमि का दक्षिणी सबसे बिंदु (कन्या कुमारी)

अध्याय 2- संरचना और भूआकृति

- पर्वत: काराकोरम पर्वत , गारो-खासी-जयंतिया पहाड़ियाँ , अरावली पर्वत , विंध्यचल पर्वत , सतपुड़ा पर्व पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट
- प्रमुख चोटियाँ: K2, कंचनजंगा, नंदादेवी, नंगा पर्वत, नामचा बरवा और अनाइमुदी
- प्रमुख दर्रे : शिपकिला, नाथुला, पालघाट, भोर घाट और थल घाट –
- प्रमुख पठार:- मालवा, छोटनागपुर, मेघालय और दक्कन पठार।
- प्रमुख तटीय मैदान: सौराष्ट्र, कोंकण, उत्तर और दक्षिण कन्नड़, मालाबार, कोरोमंडल और उत्तरी सरकार
- द्वीप समूह: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह

अध्याय -3 अपवाह तंत्र

- प्रमुख नदियाँ : ब्रह्मपुत्र, सिंधु, सतलुज, गंगा, यमुना, चंबल, दामोदर महानदी, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, नर्मदा, ताप्ती और लूनी
- प्रमुख झीलें: (पहचान के लिये) वुलर, सांभर, चिल्का, कोलेरू, पुलिकट और वेम्बनाड
- जलडमरूमध्य, खाड़ी: पाक जलडमरूमध्य, कच्छ का रण, कच्छ की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और खंबात की खाड़ी

अध्याय 4- जलवायु :

- भारत में उच्चतम तापमान वाला क्षेत्र ,
- भारत में सबसे कम तापमान वाला क्षेत्र ,
- भारत में सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र
- भारत में सबसे कम वर्षा का क्षेत्र

अध्याय 5- प्राकृतिक वनस्पति

(भारत के रूपरेखा मानचित्र पर पहचान)

- उष्णकटिबंधीय सदाबहार, उष्णकटिबंधीय पर्णपाती, उष्णकटिबंधीय कटीले वन , पर्वतीय वन और तटीय / दलदली वन।

वन्यजीव अभयारण्य (पहचानने और नामांकित करने के लिए)

- राष्ट्रीय उद्यान: कॉर्बेट, काजीरंगा, रणथंभौर। शिवपुरी, सिमलीपाल
- पक्षी अभयारण्य: केवलादेव घाना और रंगनाथिटो
- वन्यजीव अभयारण्य: पेरियार, राजाजी, मुदुमलाई, दाचीगाम,

वार्षिक परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम दिनांक **31/01/2026** तक पूर्ण हो जाना चाहिए।

वार्षिक परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम का रिविजन और तैयारी

वार्षिक परीक्षा **2026**

नोट:- वार्षिक परीक्षा संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर आयोजित होगी

निर्धारित पाठ्य पुस्तके:-

- 1 भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत कक्षा 11 के लिए (एन. सी. ई आर टी द्वारा प्रकाशित)
 - 2 भारत – भौतिक पर्यावरण कक्षा 11 के लिए (एन. सी. ई आर टी द्वारा प्रकाशित)
 - 3 भूगोल में प्रयोगात्मक कार्य भाग -1 कक्षा 11 के लिए (एन. सी. ई आर टी द्वारा प्रकाशित)
- नोट:- 1 उपरोक्त सभी पाठ्य पुस्तकें हिन्दी और अंग्रेजी दोनो माध्यम में उपलब्ध हैं।

2 कृपया छात्रों को बिल्कुल नई प्रकाशित पाठ्यपुस्तकें ही खरीदने के लिये कहें।

QUESTION PAPER DESIGN GEOGRAPHY THEORY CLASS XI

आयाम DOMAIN	Total %
स्मरण/ पहचान और समझ (remembering and understanding) सामान्य अवधारणाओं, शब्दों, तथ्यों, आकड़ों और सूचनाओं को स्मरण करना। तथ्यों विचारों को समझ के साथ व्यवस्थित करना, उनकी तुलना करना, अनुवादित/ व्याख्या करना विवरण देना, मुख्य विचार को समझ कर प्रकट करना	41%
अनुप्रयोग (Application) सीखे हुए ज्ञान/अवधारणा को नई परिस्थिति में प्रयोग करना, तथ्यों, तकनीकों, कौशल व नियमों और सिद्धांतों को नई परिस्थिति में अमूर्तता का बिना किसी प्रेरणा के उपयोग करना / क्रियान्वित / लागू करना	37%
विश्लेषण, मूल्यांकन और उत्पादि करना/ बनाना/ रचना करना/ निर्माण करना/ योजना बनाना/ सूचनाओं को तोड़कर या जोड़कर नए विचार उत्पन्न करना/ प्रमाण देकर सिद्ध करना/ न्याय संगत ठहराना (analyzing, evaluating and creating) सीखे हुए ज्ञान/ प्राप्त जानकारी को विभाजित करना और जाँचना तथा यह निर्धारित करना कि एक भाग दूसरे भाग से या समग्र संरचना या उद्देश्य से किस प्रकार संबंधित हैं। उद्देश्यों या कारणों की पहचान करके ताकि उनकी संगठनात्मक संरचना को समझा जा सके। तथ्यों और अनुमानों के बीच अंतर कर सके। अनुमान लगाना सामान्यीकरण करके समर्थन करने के लिए सबूत खोजना। संश्लेषण करके विविध तथ्यों से एक संरचना या परारूप बनाना। एक नया अर्थ या नई संरचना बनाने पर जोर देते हुए सभी भागों को एक साथ जोड़ कर संपूर्ण बनाना। रचना/निर्माण करना (Creating) :- तत्वों को एक साथ जोड़ कर एक नया सुसंगत या कार्यात्मक संपूर्ण बनाना तत्वों को एक नया परारूप या संरचना में पुर्गठित करना।	22%
TOTAL	100%